University in News on 02 November 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि के वाणिज्य विभाग में व्याख्यान

लखनऊ। लविवि के वाणिज्य विभाग में बुधवार को सात दिवसीय (1 से 7 नवंबर तक) विशेष व्याख्यान की शुरूआत हुई। एमबीए (फाइनेंस एंड अकाउंटिंग) पाठ्यक्रम की ओर से फाइनेंसियल डेरीवेटिव एंड रिस्क मैनेजमेंट विषय पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया।

कार्यक्रम संयोजक प्रो. अवधेश त्रिपाठी ने कहा कि यह कार्यक्रम वित्त के क्षेत्र में शिक्षको व शोधार्थियों के लिए उपयोगी होगा। प्रो. एसके शुक्ला, डॉ. गीतिका टी. कपूर, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. ज्ञान प्रकाश, डॉ. ऋषिकांत, डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. चंद्रकांत कुशवाहा मौजूद रहे। (संवाद)

बीएड, एमएड के छात्रों मिला हॉस्टल

लखनऊ। लविवि में बीएड व एमएड कोर्स के छात्र-छात्राओं को छात्रावासों का आवंटन कर दिया गया है। चयनितों की सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। लालबहादुर शास्त्री छात्रावास में बीएड प्रथम सेमेस्टर के पांच छात्रों को हॉस्टल आवंटित हुआ। जबकि कैलाश हाल में बीएड प्रथम सेमेस्टर की तीन और एमएड की पांच छात्राओं को हॉस्टल आवंटित हुए हैं। (संवाद)

शोधार्थियों का कोर्स वर्क परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी सत्र 2021-22 के विधि संकाय के शोधार्थियों का कोर्स वर्क का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया गया। संकाय के फुल व पार्टटाइम पीएचडी छात्र-छात्राओं के परिणाम विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। कोर्स वर्क परीक्षा में कुल 57 शोधार्थियों में चार छात्र अनुत्तीर्ण हुए हैं। इस संबंध में संकायाध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह की ओर से पत्र जारी किया गया है। (संवाद)

लविवि : एमएचए के नतीजे जारी

लखनऊ। लखनऊ विवि ने बुधवार को सम सेमेस्टर-2023 परीक्षा के एमएचए पाठ्यक्रम के परिणाम घोषित कर दिए हैं। परीक्षार्थी विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षाफल देख सकते हैं। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

एफडीपी से शिक्षकों का विकास होगा

लखनऊ। एलयू के वाणिज्य विभाग में संचालित एमबीए फाइनेंस एंड अकाउंटिंग की ओर से बुधवार को सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की शुरुआत हुई। फाइनेंशियल डेरिवेटिव एंड रिस्क मैनेजमेंट पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय रहे। उन्होंने कहा कि एफडीपी कार्यक्रम हमारे शिक्षकों व शोधार्थियों की क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे वित्त के क्षेत्र में उन्हें मदद मिलेगी। इस मौके पर डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू, वाणिज्य विभाग के प्रमुख प्रोफेसर राम मिलन, प्रो. एसके शुक्ला, डॉ. गीतिका टी. कपूर, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, आयोजन सचिव डॉ. ज्ञान प्रकाश उपस्थित रहे।

विधि शोधार्थियों का कोर्स वर्क रिजल्ट घोषित

लखनऊ। एलयू में पीएचडी सत्र 2021-22 के विधि संकाय के शोधार्थियों का कोर्स वर्क रिजल्ट जारी कर दिया गया है। संकाय के फुल व पार्ट टाइम पीएचडी छात्र-छात्राओं के परिणाम विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। कोर्स वर्क परीक्षा में कुल 57 शोधार्थियों में चार छात्र अनुत्तीर्ण हुए हैं। इस संबंध में संकायाध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह की ओर से पत्र जारी किया गया है।

एलयू में एमएचए के नतीजे जारी

लखनऊ। एलयू में सम सेमेस्टर-2023 परीक्षा के तहत एमएचए पाठ्यक्रम के रिजल्ट घोषित किए गए हैं। परीक्षार्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर परीक्षाफल देख सकते हैं। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि छात्र-छात्राएं अपने अनुक्रमांक व जन्म तिथि के माध्यम से परीक्षा परिणाम देख सकेंगे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

शिक्षक-शोधार्थियों की मजबूती के लिए संगोष्ठी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : शिक्षक-शोधार्थियों की मजबूती के लिए लखनऊ विवि में बुधवार सेमिनार की शुरुआत हुई। सात दिवसीय आयोजन के पहले दिन शुरुआत कुलपति द्वारा की गई। उन्होंने अपने उद्बोधन में धन अर्जन, आवंटन और वितरण की प्रासंगिकता पर बल दिया। विवि परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 12 तकनीकी सत्र शामिल किये गए हैं।

कार्यक्रम में शामिल कुलपति को मोमेण्टो देतीं प्रोफेसर। अमृत विचार

विवि में आयोजन

- लखनऊ विवि के कुलपति ने की कार्यक्रम की शुरुआत
- सात दिनों तक व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराने पर रहेगा जोर

लखनऊ विवि में बुधवार फाइनेंशियल डेरीवेटिव एण्ड रिस्क मैनेजमेण्ट विषय पर एक सप्ताहिक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे शिक्षकों एवं शोधार्थियों की क्षमताओं की मजबूती के लिए ऐसी व्यवस्था एक मजबूत प्रयास है। इसके सहारे धन का अर्जन, आवंटन और वितरण जाना जा सकता है। ज्ञान और कौशल से लैस होना बेहद आवश्यक है। वाणिज्य विभाग के निदेशक प्रोफेसर अवधेश कुमार ने अनिश्चितता और जटिलता को दूर करने पर फोकस किया।

उन्होंने बताया कि इसी को लेकर ही सात दिनों तक ये कार्यक्रम जारी रहेगा। इसमें 12 तकनीकी सत्र शामिल किये गए हैं। इस अवसर पर प्रोफेसर एसके शुक्ला, प्रो. अवधेश, डॉ. गीतिका, चन्द्रकांत कुशवाहा, डॉ. शमीना गजल सहित अन्य उपस्थित रहे।

JAGRAN CITY PAGE III

'वित्त की दुनिया में जटिलताएं बहुत हैं'

कुलपति प्रो. आलोक राय का स्वागत करते विभाग के प्रोफेसर ● जागरण

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में फाइनेंशियल डेरीवेटिव और रिस्क मैनेजमेंट पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू हुआ। एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में वित्तीय क्षेत्र की जटिलता और अनिश्चितता पर प्रकाश डाला गया। कुलपति प्रो. आलोक राय ने प्रभावी वित्तीय प्रबंधन के लिए धन का अर्जन, आवंटन और वितरण की प्रासंगिकता पर जोर दिया।

वाणिज्य विभाग के निदेशक प्रो. अवधेश कुमार ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र की जटिलता को देखते हुए इस क्षेत्र में आवश्यक कौशल से लैस होना जरूरी है। 12 तकनीकी सत्र में इन विषयों को गहराई से जानने का मौका मिलेगा। प्रो. राम मिलन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में डा. ज्ञान प्रकाश, ऋषिकांत, डा. प्रशांत सिंह, डा. चंद्रकांत आदि रहे।

जूडो के लिए ट्रायल चार को : लखनऊ विश्वविद्यालय में आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए जूडो टीम के चयन के लिए महिला-पुरुष का ट्रायल चार नवंबर को सुबह 10 बजे महाराजा सिंह जिम्नेजियम हाल में होगा। वहीं, इंटर यूनिवर्सिटी नार्थ जोन गेम्स-2023-24 के लिए महिला टीम के चयन के लिए ट्रायल छह नवंबर को विश्वविद्यालय के शिवाजी ग्राउंड में सुबह 10 बजे से होगा। लखनऊ यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स एसोसिएशन के चेयरमैन प्रोफेसर रुपेश कुमार ने बुधवार को इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया।

पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा के परिणाम जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने विधि संकाय के फुलटाइम व पार्ट टाम पीएचडी शोधार्थियों के कोर्स वर्क परीक्षा (सत्र 2021-22) का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर इसे देख सकते हैं। डीन प्रोफेसर बीडी सिंह की ओर से जारी सूची के अनुसार फुलटाइम पीएचडी कोर्स वर्क में 57 में तीन छात्र और पार्ट टाइम में छह में से सिर्फ एक छात्रा फेल है।

हास्टल आवंटन सूची जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बुधवार को बी.एड प्रथम सेमेस्टर ब्वायज, गर्ल्स और एम.एड प्रथम सेमेस्टर गर्ल्स के लिए हास्टल आवंटन सूची वेबसाइट पर जारी कर दी। छात्र-छात्राएं वेबसाइट पर इसे देख सकते हैं। (जास)

साक्षात्कार कल

लखनऊ : शकुंतला विश्वविद्यालय में राजनीति शास्त्र एवं लोक प्रशासन विभाग में पीएचडी प्रवेश के लिए अर्ह अभ्यर्थियों के साक्षात्कार तीन नवंबर को होगा। अभ्यर्थियों को अपने प्रवेश पत्र एवं शोध प्रस्ताव की दो हार्ड कापी व सापट कापी/पीपीटी के साथ सुबह 10 बजे से उपस्थित होना अनिवार्य है। विभागाध्यक्ष डा. आशुतोष पांडेय ने नोटिफिकेशन जारी किया है। (जास)

PIONEER PAGE 3

एलयू में एग्जाम्टेड पेपर का चैप्टर बंद, अब देना होगा सिर्फ इम्प्रूवमेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने दिवाली से पहले ही छात्रों के लिए धमाका कर दिया है। अभी तक पूरे प्रदेश में शासनादेश को दरकिनार कर सबसे अधिक परीक्षा शुल्क ले रहे विवि प्रशासन ने नई व्यवस्था के तहत एग्जाम्टेड पेपर की व्यवस्था को ही खत्म कर दिया है। विवि की तरफ से इस बावत कालेजों को निर्देश भी जारी कर दिया गया है। निर्देश के तहत अब छात्रों को इम्प्रूवमेंट ही भरना होगा।

विवि स्तर पर लागू नई व्यवस्था का खामियाजा छात्रों के अभिभावकों को उठाना पड़ेगा। अभी तक किसी कारण वश परीक्षा छूटने के एवज में छात्र केवल परीक्षा शुल्क देकर एग्जाम्टेड फार्म भर कर परीक्षा दे देते थे। लेकिन नई व्यवस्था के तहत अब छात्रों को प्रति पेपर इम्प्रूवमेंट का शुल्क देना होगा। बता दें कि

● हर पेपर के लिए देना होगा अलग-अलग इम्प्रूवमेंट शुल्क

यूनिवर्सिटी ने वर्तमान में यूजी के सभी कोर्स में एनईपी लागू कर दिया है। जिसके तहत यह नई व्यवस्था भी लागू हो गई है। इस बावत विवि के अधिकारियों का तर्क है कि एनईपी से पहले एक सेमेस्टर में दो अथवा एक साल में चार से ज्यादा विषयों में बैक होने पर स्टूडेंट्स प्रमोट नहीं होते थे। ऐसे में स्टूडेंट्स का एक साल खराब होता था। स्टूडेंट्स को बिना रेगुलर रहते हुए पहले अपने विषय निकालने होते थे। वहीं अब प्रमोट होने के लिए एनईपी के तहत स्टूडेंट्स को प्रति

एनईपी के तहत सीजीपीए कम होने पर ही स्टूडेंट्स को प्रमोट होने से रोका जाएगा। फेल विषय में स्टूडेंट्स को बैक की जगह प्रत्येक विषय में अलग-अलग इम्प्रूवमेंट भरना होगा।

विद्यानंद त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक लविवि

सेमेस्टर अपना सीजीपीए 5 से ऊपर रखना होगा। वहीं, दोनों सेमेस्टर मिलाकर 6 विषयों में फेल और 5 सीजीपीए वाले स्टूडेंट्स को अगले सेमेस्टर में बढ़ने का अवसर मिलेगा। किसी विषय में फेल होने की वजह से स्टूडेंट्स का भविष्य अब खतरे में नहीं आएगा। न ही उनका एक साल खराब होगा। वहीं एनईपी के तहत रि एडमिशन की व्यवस्था दी गई है। इसमें भी स्टूडेंट्स जिन विषयों को पहले पास कर चुका होगा उसे उन विषयों को छोड़ने की अनुमति मिलेगी।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

धन का अर्जन, आवंटन व वितरण की प्रासंगिकता पर दिया जोर

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय वाणिज्य विभाग के एमबीए (फाइनेंस एंड एकाउंटिंग) ने 1 से 7 नवंबर तक फाइनेंसियल डेरिवेटिव्स एंड रिस्क मैनेजमेंट पर एक सप्ताह का फैकल्टी

लविवि में वित्तीय प्रबंधन पर सेमिनार प्रारम्भ

डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन वाणिज्य विभाग के एमबीए (फिअनांस एंड एकाउंटिंग) एवं आयोजन समन्वयक प्रो. अवधेश कुमार के स्फूर्तिदायक स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने एफडीपी पर जोर दिया और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वित्त की दुनिया में जहां अनिश्चितताएं और जटिलताएं व्याप्त है, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के रूप में हमारे लिए गतिशील परिदृश्य को नेविगेट करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल के साथ होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रम में कुल 12 तकनीकी सत्र है जो विभिन्न संस्थानों, कॉर्पोरेट्स और उद्योगों के सम्मानित विद्वानजनों द्वारा लिए जाएंगे। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रो. राय ने कहा कि फाइनेंसियल डेरिवेटिव एंड रिस्क मैनेजमेंट पर यह कार्यक्रम हमारे शिक्षकों एवं शोधार्थियों की क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह वित्त के क्षेत्र में हमारे शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए एक उपयोगी यात्रा होगी जिससे उन्हें काफी मदद मिलेगी। उन्होंने प्रभावी वित्तीय प्रबंधन के लिए तीन महत्वपूर्ण निर्णयों यानी धन का अर्जन आवंटन और वितरण की प्रासंगिकता पर भी जोर दिया है। कार्यक्रम के सहसंरक्षक और वाणिज्य विभाग के प्रमुख प्रो. राम मिलन के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। इस अवसर पर विभिन्न संकाय सदस्य प्रो. एसके शुक्ला, समन्वयक प्रो. अवधेश, डॉ. गीतिका टी.कपूर, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, आयोजन सचिव डॉ. ज्ञान प्रकाश एवं डॉ. ऋषिकांत डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. चंद्रकांत कुशवाहा, कार्यकारी समितियों के सदस्य डॉ. अमित मिश्रा, डॉ. आकृति जयसवाल, डॉ. अनीता तिवारी, डॉ. समीना गज़ल, एल्गाइड इकोनॉमिक्स के अन्य संकाय सदस्यों के साथ डीन, डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू और छात्र उपस्थित थे।